बहुलता को समृद्धि का आधार बनाएं -कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति ने किया ध्वजारोहण

वर्धा दि. 15 अगस्त 2015: भारत एक बहु-सांस्कृतिक, बहुभाषी और बहुपरिवेश का देश है। हमें इन बहुलताओं को समृद्धि का अधार बनाकर देश को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। विभिन्नता हमारे लिए चुनौति और अवसर भी है। उक्त प्रतिपादन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किये। वे विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की 69वीं वर्षगांठ पर संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रध्वज फहराने के बाद उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके आदर्श सभी के लिए दीपस्तंभ के समान है। डॉ. कलाम ने कहा था कि ऐसे सपने देखने चाहिए जो हमें सोने नहीं देते। युवा एवं युवतियों ने उनके उक्त कथन पर अमल लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदर्श समाज स्थापित करने के लिए साधना एवं तपस्या की जरूरत होती है और आदर्श समाज ऐसे आदर्शों की तपस्या से ही बनता है। प्रो. मिश्र ने छात्र-छात्राओं से आहवान किया कि विकास के लिए समय, सम्पत्ति और संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए। उक्त सूत्रों का अंगिकार कर सृजनधर्मिता को जीवन में उतारना चाहिए।

शिक्षा और विकास की बात करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के उपयोग की शिक्षा ही सही शिक्षा होती है। विश्वविद्यालय की प्रगति और विकास का उल्लेख कर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का विस्तार अपेक्षाकृत बढ़ रहा है। इस वर्ष चीन के पंद्रह छात्र हमारे यहां हिंदी पढने आए हैं। इसी वर्ष केंद्रीय विद्यालय शुरू हुआ है। अब यहां विद्यार्थी पहली कक्षा से लेकर पी.एच-डी. तक की शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। हमने इस वर्ष से ऐसे पाठ्यक्रम आरंभ किये हैं जो समाज और संस्कृति को आगे ले जाने वाले हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सचमुच यह विश्वविद्यालय अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान को कायम करते हुए एक दिन श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाएगा। विकास के साथ सूचना एवं प्रौद्योगिकी के संबंध का उल्लेख कर उन्होंने कहा कि इंटरनेट और प्रौद्योगिकी के अन्य उपकरणों का उपयोग कर आप श्रम और समय की भारी बचत कर सकते है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे अपने काम में इसका उपयोग कर अनावश्यक श्रम, समय और व्यय को बचाए।

ध्वजारोहण से पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह ने गांधी हिल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया। ध्वजारोहण के बाद सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र घोडमारे के नेतृत्व में सुरक्षा कर्मियों ने बैंड पर राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठाता, अधिकारी, विद्यार्थी एवं कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।